40

कार्ल लीनियस

पिछले साल कार्ल लीनियस का तीन सौवाँ जन्म दिन मनाया गया। कार्ल एक वैज्ञानिक, चिकित्सक, लेखक होने के साथ-साथ एक खोजी-यात्री भी थे। लीनियस ने एक ऐसा कैटलॉग बनाने का काम शुरू किया जो सभी सजीवों को वर्गीकृत कर उनकी जानकारी दे सके। इसके लिए उन्होंने दुनिया की तमाम जगहों से एकत्रित जीव-जन्तुओं एवं पौधों के हज़ारों नमूनों का अध्ययन किया। आज के वनस्पतिशास्त्री और प्राणिशास्त्री उन्हें अँग्रेज़ी के अक्षर 'एल' के रूप में जानते हैं। यह अक्षर परम्परागत रूप से उन तमाम महत्वपूर्ण जीवों के सामने लिखा जाता है जिन्हें लीनियस ने पहचाना और वर्गीकृत किया था।

53

यूक्लिडीय ज्यामिति के बाद अन्य ज्यामितियाँ

लगभग दो हज़ार साल पहले यूक्लिड ने ज्यामिति को व्यवस्थित करते हुए पाँच सामान्य विचार एवं पाँच आधारतत्व प्रस्तुत किए। इन सबमें पाँचवाँ आधारतत्व काफी पेचीदा प्रतीत होता है, इसलिए गणितज्ञ लगातार कोशिश करते रहे कि अगर इसे किसी तरह अन्य नौ के सहारे सिद्ध किया जा सके तो फिर इसकी ज़रूरत ही नहीं रहेगी, इसे उस सूची से हटाया जा सकता है।

सैकड़ों वर्षों के बहुतेरे प्रयासों के बाद आखिरकार अठारहवीं सदी में यूरोप में गणितज्ञों को यह बात समझ में आने लगी कि एक स्वसंगत गैर-यूक्लिडीय ज्यामिति की भी सम्भावनाएँ हैं। जल्द ही इसका प्रभाव गणित के अलावा विज्ञान, वास्तु-कला, चित्र-कला, दर्शनशास्त्र वगैरह में दिखाई देने लगा।

किस तरह गैर-यूक्लिडीय ज्यामिति को यह मुकाम हासिल हुआ इसके बारे में बहुत-से ऐतिहासिक रोचक ब्यौरे प्रस्तुत हैं इस लेख में।

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-2, (मूल अंक-59) जनवरी-अप्रैल 2008

इस अंक में

7 | **हवा में कितनी ऑक्सीजन है?**
सुरेश अग्रवाल

14 | **टाइटन से वापसी के दौरान**
मार्टिन गार्डनर

15 | **फलों के गुच्छे बनाम प्रकृति के रसीले बुके**
किशोर पंवार

21 | **अकल दाढ़ का रोचक किस्सा**
सुशील जोशी

27 | **ध्वनि अध्याय की समीक्षा**
अजय शर्मा

40 | **कार्ल लीनियस**
संकलित

49 | **शैक्षणिक सामग्री - जीप भी**
महेश बसेड़िया

53 | **यूक्लिडीय ज्यामिति के बाद अन्य ज्यामितियाँ**
आइज़ेक एसीमोव

71 | **अक्कम से पुरम तक**
तेजी ग्रोवर

87 | **एक घटना**
अन्तोन चेखव

95 | **गुल्लक**
माधव केलकर